

比屋定節

凡て百四十四拍子 拍子不当(大体一拍子十一分脈)

(所用時間凡そ三分)

…繰り返し

四	○	合	○	尺	上	○	上	上	○	尺	○	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

○	工	四	○	合	○	四	○	合	老	上	尺
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

工	○	○	工	上	○	○	上	○	上	四	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	○	合	○	四	○	四	○	合	○	四	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

○	合	老	上	尺	工	○	○	工	上	○	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

上	○	上	四	○	合	○	合	○	四	○	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

○	四	合	○	四	○	合	老	上	尺	工	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

○	工	上	○	○	上	○	上	四	○	合	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

合	○	四	○	四	○	四	合	○	四	○	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

老	上	尺	工	○	○	工	上	○	○	上	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

上	四	○	合	○	四	○	四	○	尺	上	○	上
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

上	○	尺	○	工	○	工	四	○	合	○	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

比屋定節

一、後生の長旅やいきほしややないらぬ
母のためやてどほこていきゆる